06/06/25

पत्रा० पेश हुई। कोई भी उप० नहीं हुआ। पुनः आवाज लगवाई गई लेकिन कोई भी उप० नहीं हुआ अतः पत्रा० अदम-पैरवी अदम-हाजरी इसी स्तर पर खारिज की जाती है। पत्रा० फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Ganga Dhar Meena
Date: 2025.07.16 16:05:12 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner